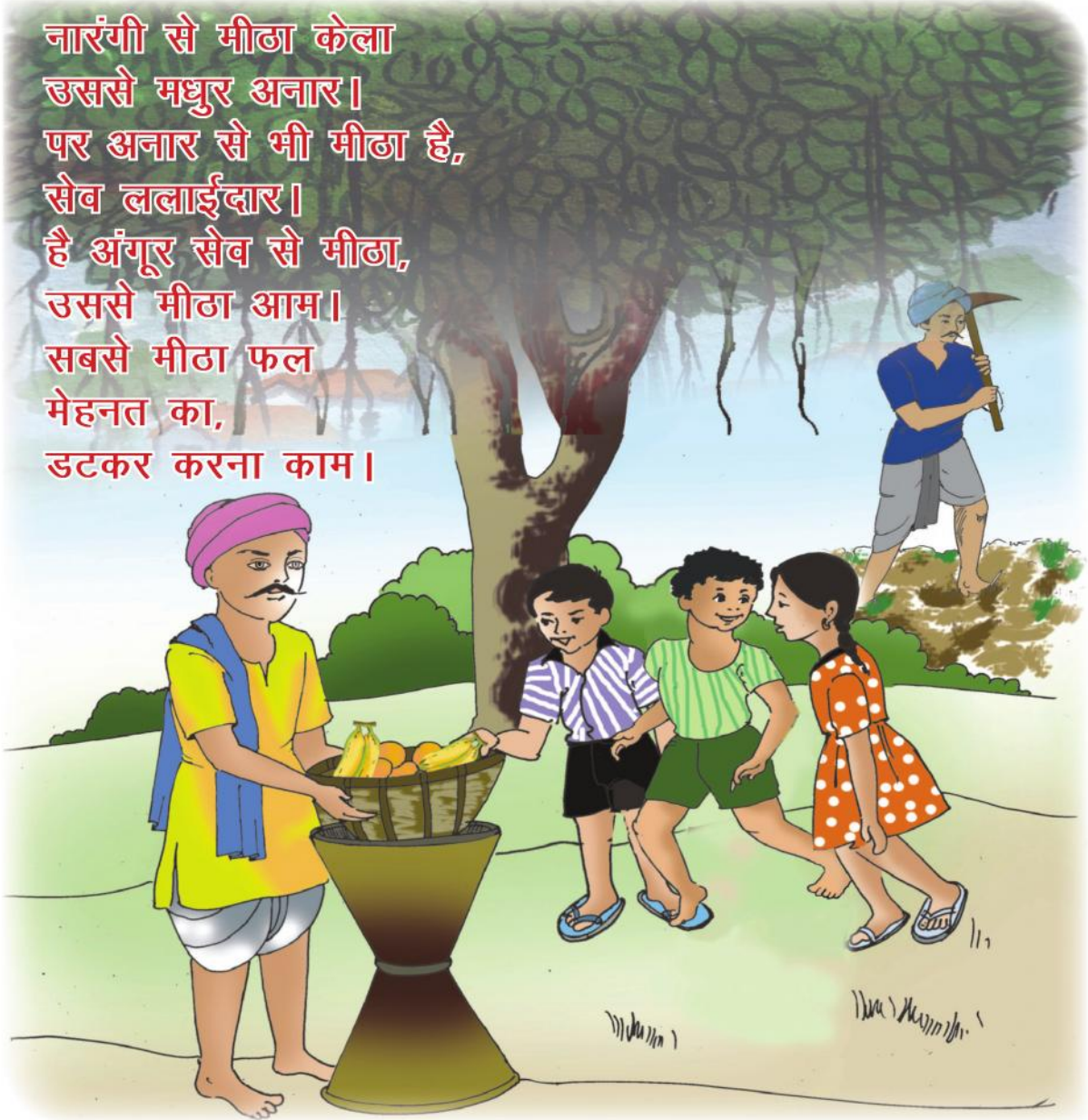


## फल

नारंगी से मीठा केला  
 उससे मधुर अनार।  
 पर अनार से भी मीठा है,  
 सेव ललाईदार।  
 है अंगूर सेव से मीठा,  
 उससे मीठा आम।  
 सबसे मीठा फल  
 मेहनत का,  
 डटकर करना काम।





शिक्षण संकेत :

कविता लय-ताल के साथ याद करवाएँ। बच्चों से फलों के बारे में चर्चा करें। अन्य चित्र संकलित करवाएँ। मिट्टी के खिलौने बनवाएँ।

ए की मात्रा = 



श +  + र = शेर

ऐ की मात्रा = 



स +  + ि + न + क = सैनिक

**अब पढ़िए –**

रेल बेल ढेर खेत पेड़  
रेशम मेमना केतली लेखनी  
रेलगाड़ी मेहमान लालटेन

रेखा आ। रेल का खेल खेलें।  
मुकेश तथा राकेश मेला देखने गए।  
मुकेश ने सेब तथा राकेश ने  
केले खरीदे।

सैर पैर चैन तैर बैल  
सैनिक पैदल तैराक वैभव  
बैलगाड़ी खपरैल नैनीताल

कैलाश शैलजा का भाई है।  
शैलजा को तैरना आता है।  
शैलजा भैया के साथ मेला देखने  
गई। भैया नैनीताल से आए हैं।

**शिक्षण संकेत :**

'ए' तथा 'ऐ' की मात्राओं का उच्चारण सिखाएँ तथा दोनों मात्राओं में अंतर स्पष्ट करें।

'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा वाले शब्दों का श्रुतलेख कराएँ।

श्याम पट पर कुछ शब्द लिखकर बच्चों से 'ए' तथा 'ऐ' की मात्रा वाले शब्द छाँटने को कहें।



## अनुभव विस्तार

### 1. पढ़िए –

कैलाश, नेहा का भैया है।  
कैलाश को तैरना आता है।  
नेहा पढ़ने के समय पढ़ती है।  
रमेश, बैलगाड़ी पर बैठ।  
मेला देखने चल।

### 2. पढ़िए, समझिए और लिखिए—

जैसे :- महेश = म + ह + े + श = महेश  
भैया = भ + ै + य + ा = .....  
मेहनत = म + े + ह + न + त = .....  
सैनिक = स + ै + ि + न + क = .....

### 3. चित्र देखिए और मात्रा लगाकर शब्द बनाइए –

जैसे –



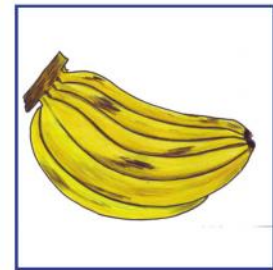
सैनिक



मना



पसा



कला

4. दिए गए वर्ण से शब्द बनाइए –

ट	—	टमाटर
क	—	.....
त	—	.....
फ	—	.....
म	—	.....

5. ऐ (  $\text{—}^{\text{ै}}$  ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरा कीजिए –  
जैसे :-

कसा	—	कैसा
मना	—	.....
बठा	—	.....
पसा	—	.....

6. दिए गए शब्दों से वाक्य पूरा कीजिए –

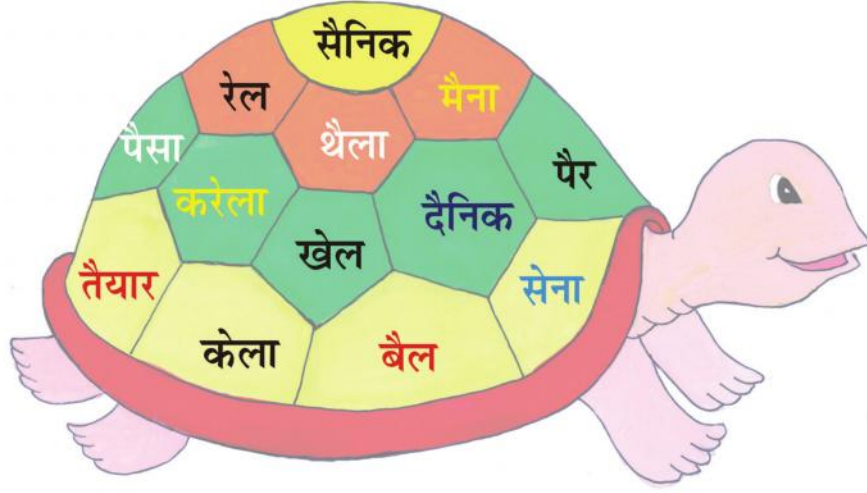
(देखा, मेला, केला,)

(क) नेहा ..... देखने गई ।

(ख) राम ने .....खाया ।

(ग) सबने मेला ..... ।

7. दिए गए शब्दों में से ( २ ) एवं ( ३ ) की मात्रा वाले शब्द चुनकर अलग-अलग लिखिए ।



( २ ) रेल .....

( ३ ) तैयार .....

8. फल खोजो और उनके चित्र बनाओ –  
जैसे :-



शिक्षण संकेत :

बच्चों को फलों के चित्र खोजने को कहें। खोजे गए फलों के चित्र बनाने को कहें। उनसे बातचीत करें। उनके बनाए चित्रों को स्वीकार करें। प्रोत्साहित करें।